अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 22.12.2012

चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

लघुदण्डक – 25

प्र.1 कोई चार द्वार लिखें – 16

(क) योग द्वार (ख) समुद्घात – असमुद्घात मरण द्वार (ग) उत्पत्ति द्वार (घ) आहार द्वार (ङ) वेद द्वार (च) शरीर द्वार।

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 9

(क) तीसरी नारकी, नौ लोकान्तिक देव, तीसरे किल्विषी, उरपरिसर्प संज्ञी, पाँच महाविदेह, असंज्ञी मनुष्य इनकी अवगाहना लिखें?

(ख) लघुदण्डक में कितने द्वार हैं? नाम लिखें। (ग) मनुष्य की स्थिति लिखें।

(घ) सात नारकी में उपयोग, ज्ञान, शरीर, प्राण और पर्याप्ति कितनी पाती है? नाम लिखें।

पांच ज्ञान – 25

प्र.3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 20

(क) अवधि ज्ञान के विषयों का उल्लेख करें?

(ख) कालिकी उपदेश संज्ञा हेतु उपदेश, दृष्टिवाद उपदेश क्या है? व्याख्यायित करें?

(ग) अनन्तर सिद्ध केवल ज्ञान के पन्द्रह प्रकारों का नामोल्लेख करें?

(घ) मनः पर्यवज्ञान का स्वामी कौन होता है?

(ङ) अश्रुतनिश्रित मतिज्ञान के चार प्रकारों का उल्लेख करें?

(च) श्रुतज्ञान के प्रकारों के नाम लिखें?

प्र.4 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 5

(क) अवधिज्ञान के दो भेदों के नाम लिखें?

(ख) पार्श्ववर्ती पदार्थों को प्रकाशित करने वाला ज्ञान कौन सा है?

(ग) मनः पर्यवज्ञान का विषय संक्षेप में कितने प्रकार का है?

(घ) भवस्थ केवलज्ञान के प्रकारों के नाम लिखें?

(ङ) जो श्रमणसंघ में दीक्षित होकर मुक्त होते हैं वे कौन से सिद्ध कहलाते हैं?

(च) 'अमुक होना चाहिए' इस प्रकार की प्रतीति क्या है?

(छ) श्रुत ज्ञान किसे कहते हैं?

(ज) मति ज्ञान के अवग्रह आदि कितने भेद हैं?

गुणस्थान – दिग्दर्शन गीतिका – 10

प्र.5 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें – 8

(क) ''त्रिण गुणठाणां अमर.....।'' (ग) ''ज्ञानावरणी, दर्शनावरणी बसे कर्म.....।''

(ख) ''किसा वेद नै प्रथम.....।'' (घ) ''दोय भेद वेदनी कर्म.....।''

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – 2

(क) बारहवें गुणस्थान की आदि में कौन सा कर्म टूटता है?

(ख) सबसे पहले कौन सा वेद छूटता है?

(ग) अंतराय कर्म का क्षयोपशम निष्पन्न कौन से गुणस्थान तक है?

(घ) आयुष्य कर्म का बंध कौन से गुणस्थान तक होता है?

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 40

प्र.7 सभी प्रश्नों के उत्तरें अनिवार्य हैं – 12

(क) चतुर्भंगी लिखें – उपयोग अथवा योग की। 3

(ख) पच्चीस बोल की चर्चा में – देवता के दण्डक अथवा काय छह। 3

(ग) तत्वचर्चा में – नौ तत्वों पर हेय, ज्ञेय, उपादेय अथवा सामायिक पर चर्चा। 3

(घ) पच्चीस बोल में – आठवां बोल अथवा तेरहवां बोल। 3

प्र.8 (क) जैन तत्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) – भेद द्वार अथवा परमात्मद्वार लिखें? 3

(ख) प्रतिक्रमण – अचौर्य अणुव्रत के अतिचार अथवा देशावकाशिक व्रत के अतिचार लिखें। 3

(ग) कर्म प्रकृति – आयुष्यकर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति अथवा मोहनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें? 3

(घ) बावन बोल – जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्यों में कौन? नौ तत्व में कौन? 5

'अथवा'

चवदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ड.) इक्कीस द्वार – सभी बोल लिखें – 8

(i) छेदोपस्थापनीय संयती (ii) आहारक

(iii) देवांगना (iv) क्षायिक सम्यक्त्वी।

(च) जैन तत्व प्रवेश – धर्म – अधर्म द्वार अथवा दर्शन प्रतिमा और पौषध प्रतिमा लिखें। 3

(छ) कर्म के उदाहरण अथवा ज्ञानावरणीय कर्म बन्ध के कारण लिखें। 3